भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2487
(10 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए)

ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान मेला

2487. डॉ. धर्मवीर गांधी:

क्या **ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ग्रामीण क्षेत्रों, जहां अंधविश्वास और अवैज्ञानिक मान्यताएं अधिक प्रचलित हैं, में वैज्ञानिक सोच और तर्कसंगत सोच को बढ़ावा देने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यशालाएं या विज्ञान मेले आयोजित करने के लिए कोई कार्यक्रम स्थापित किए हैं; और

(ग) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान ऐसे कितने कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और स्थानीय समुदायों पर इन पहलों का क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर
ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(श्री कमलेश पासवान)

(क) से (ग): ग्रामीण विकास मंत्रालय का प्राथमिक उद्देश्य देश के ग्रामीण क्षेत्रों का सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है। इसलिए , इस मंत्रालय ने ग्रामीण क्षेत्रों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने, जागरूकता कार्यशालाओं या विज्ञान मेलों का आयोजन करने के लिए कोई विशेष उपाय नहीं किए हैं। तथापि , विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय का उद्देश्य उच्च स्तरीय बुनियादी अनुसंधान और नवीन तकनीकों के विकास तथा उपयुक्त कौशल और प्रौद्योगिकियों के विकास के माध्यम से सामाजिक चुनौतियों से संबंधित तकनीकी कार्यक्रम कार्यान्वित करके देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना है। यह विज्ञान , प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित और चिकित्सा (स्टेम) क्षेत्रों में आलोचनात्मक और नवोन्मेषी सोच विकसित करने हेतु प्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान में नवाचार (इन्सपाइर)-मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशंस एंड नॉलेज (मानक), विज्ञान ज्योति, राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और राष्ट्रीय गणित दिवस जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जनता, विशेषकर बच्चों/छात्रों और शिक्षकों के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रसार भी करता है।

*****